SWAMAAN / SANKALP / SLOGAN: SWAROOP BANO

September 17, 2013

हम निर्माणचित के तख़्त पर बैठनेवाली श्रेष्ठ आत्माएँ, हिम्मत के संकल्प द्वारा माया को हिम्मतहीन बनानेवाले, जिम्मेवारी का ताज धारण कर कम्पलीट दानी बननेवाले, हीरो हीरोईन हैं...

We, the great souls sitting on the throne of humility, who make Maya lose courage through courageous thoughts, are heroes and heroines, adopting the crown of responsibility and becoming complete donors.

Om Shanti Divine Angels!!!

Points to Churn: September 17, 2013

Praise of the Father: The Supreme Father the Supreme Soul...the Ocean of Knowledge...the Highest-on-high...the Father, the Creator... the living Seed of the human world tree...Sat Shri Akal...the Death of all Deaths...

Knowledge: The Father, the living Seed of the human world tree, says: I have all the knowledge in Me. If some say that they are at 100% *rest,* there is no such thing. In heaven there is 100% purity, happiness and peace. They take a *rest* in the land of nirvana where there is *no part* to play.

Bharat is called *completely* righteous. It is in Bharat that they make donations and perform charity. It is now that you have the *part* of being trikaldarshi. It is only you who have the main *part of hero* and *heroine.*

Yoga: Baba says: To have thoughts of leaving the Father, that is, of divorcing the Father is a sinful thought. It is a sin to have such a thought. Surrender everything to the Father with honesty and transfer it to the new world. Those who belong to the Father will become the masters of heaven.

Dharna: Become a trustee for as long as you live.Take shrimat from the Father at every step. Never sulk with shrimat and follow the dictates of your own mind. Become diamonds from shells, pure from impure. Not to study means to become tired. To the extent that someone imbibes knowledge, so he accordingly claims a status. Sit on the throne of humility and adopt the crown of responsibility.

Service: Become a complete donor.

Points of Self Respect: The mouth-born creations of Brahma...trikaldarshi...heroes and heroines...the masters of heaven...imperishable charitable souls...the travelers of the night...

ॐ शान्ति दिव्य फरिश्ते !!!

विचार सागर मंथन: September 17, 2013

बाबा की महिमा : परमपिता परमात्मा...ज्ञान सागर ... ऊँच ते ऊँच... रचता बाप... बेहद का बाप... मनुष्य सृष्टि का चैतन्य बीजरूप... सत श्री अकाल... कालों का काल...

ज्ञान : चैतन्य बीज, मनुष्य सृष्टि रूपी झाड़ का बीज कहते हैं – मुझे सारे झाड़ की नॉलेज है | जब कोई कहते हैं 100 परसेन्ट रेस्ट में हैं, तो समझाना चाहिए कि 100 परसेन्ट रेस्ट तो कभी मिलती नहीं | स्वर्ग में 100 परसेन्ट पवित्रता-सुख-शान्ति रहती है | रेस्ट मिलती है निर्वाणधाम में, वहाँ कोई पार्ट नहीं |

भारत को कम्पलीट धर्मात्मा कहा जाता है | भारत में दान-पुण्य करते हैं | त्रिकालदर्शीपने का पार्ट तुम्हारे में अभी रहता है | मुख्य हीरो हीरोइन का पार्ट तुम्हारा ही है |

योग : बाबा कहते – फारकती देने के संकल्प विकल्प है | ऐसा संकल्प करना भी पाप है | सच्चाई से सब बाप को अर्पण कर नई दुनिया के लिए ट्रान्सफर कर देना है | जो बाप के बनेंगे वही स्वर्ग के मालिक बनेंगे |

धारणा : जीते जी ट्रस्टी बनना है | क़दम-क़दम पर बाप से श्रीमत लेनी है | कभी भी श्रीमत से रूठ मनमत पर नहीं चलना है | कौड़ी से हीरे जैसा, पतित से पावन बनना हैं | पढ़ाई न पढ़ना माना ही थक जाना | जितना जो नॉलेज धारण करेंगे उतना पद पायेंगे | निर्माणचित के तख़्त पर बैठ, जिम्मेवारी का ताज धारण करना है |

सेवा : कम्पलीट दानी बनना है |

स्वमान : ब्रह्मा के मुख वंशावली... त्रिकालदर्शी... हीरो हीरोइन... स्वर्ग के मालिक... ट्रस्टी... हिम्मतवान... अविनाशी पुण्य आत्मा... रात के राही...

श्री गणेश की सूंड का अध्यात्मिक रहस्य : Spiritual Significance Of Lord Ganesha's Trunk
http://www.youtube.com/watch?v=OSdspKH_o_s&feature=c4-overview-vl&list=PLC8D39A5E37238516

श्री गणेश के उदर का अध्यात्मिक रहस्य : Spiritual Significance Of Lord Ganesh's Stomach

http://www.youtube.com/watch?v=2S3BJdmJMeE&feature=c4-overview-vl&list=PLC8D39A5E37238516

Video of Murli Essence:

http://www.youtube.com/watch?v=opkrwUHKA1I&feature=c4-overview-vl&list=PLC8D39A5E37238516

17-09-2013:

Essence: Sweet children, as long as souls are playing *their parts* they cannot take 100% *rest.* They take a *rest* in the land of nirvana where there is *no part* to play.

Question: What thoughts do children who become tired of studying have which then become sinful thoughts?

Answer: They have thoughts of leaving the Father, that is, of divorcing the Father. Baba says: To have this thought is a sinful thought. It is a sin to have such a thought. Not to study means to become tired. Such children spoil their income. If you sulk with the Mother and Father due to any situation, you lose the sovereignty of 21 births.

Song: People of today are in darkness. Aaj andhere me hai insaan... आज अन्धेरे में हैं इन्सान

http://www.youtube.com/watch?v=VwP8L_hgWps

Essence for dharna:

1. Become a complete donor. Surrender everything to the Father with honesty and transfer it to the new world.
2. Become a trustee for as long as you live.Take shrimat from the Father at every step. Never sulk with shrimat and follow the dictates of your own mind.

Blessing: May you be a courageous soul who makes Maya lose courage through your courageous thoughts.

Children who have one strength and one faith एक बल एक भरोसे and have the courageous thoughts that they are definitely going to be victorious experience the Father's help constantly through their courage. With their courage, they become worthy of receiving help. Maya loses courages in front of their courageous thoughts. Those who have weak thoughts of not knowing whether something will happen or not, or whether they will be able to do something or not, invoke Maya through such thoughts. So always have thoughts filled with zeal, enthusiasm and courage and you will then be said to be a courageous soul.

Slogan: To sit on the throne of humility and adopt the crown of responsibility is greatness.

17-09-2013:

सार:- "मीठे बच्चे – जब तक आत्मा पार्ट में हैं तब तक उसे 100 परसेन्ट रेस्ट मिल नहीं सकती | रेस्ट मिलती है निर्वाणधाम में, वहाँ कोई पार्ट नहीं"

प्रश्न:- जो बच्चे चलते-चलते पढ़ाई से थक जाते हैं उन्हें फिर कौन से संकल्प आते हैं जो विकल्प का रूप ले लेते हैं?

उत्तर:- 1. उन्हें बाप को छोड़ देने के अर्थात् फारकती देने के संकल्प आते हैं | बाबा कहते – यह संकल्प आना भी विकल्प है | ऐसा संकल्प करना भी पाप है | पढ़ाई न पढ़ना माना ही थक जाना | ऐसे बच्चे अपना खाना ख़राब कर देते हैं | 2. अगर किसी बात के कारण कोई मात-पिता से रूठ जाते हैं तो वह 21 जन्मों की बादशाही गंवा देते हैं |

गीत:- आज अन्धेरे में है इन्सान....

धारणा के लिए मुख्य सार:-

1) कम्पलीट दानी बनना है | सच्चाई से सब बाप को अर्पण कर नई दुनिया के लिए ट्रान्सफर कर देना है |

2) जीते जी ट्रस्टी बनना है | क़दम-क़दम पर बाप से श्रीमत लेनी है | कभी भी श्रीमत से रूठ मनमत पर नहीं चलना है |

वरदान:- हिम्मत के संकल्प द्वारा माया को हिम्मतहीन बनाने वाले हिम्मतवान आत्मा भव

जो बच्चे एक बल एक भरोसे में रहते हैं, हिम्मत का संकल्प करते हैं कि हमें विजयी बनना ही है तो हिम्मते बच्चे मददे बाप का सदा अनुभव होता है | हिम्मत से मदद के पात्र बन जाते हैं | हिम्मत के संकल्प के आगे माया हिम्मतहीन बन जाती है | जो कमज़ोर संकल्प करते कि पता नहीं होगा या नहीं, मैं कर सकूंगा या नहीं, ऐसे संकल्प ही माया का आह्वान करते हैं इसलिए सदा उमंग-उत्साह सम्पन्न हिम्मत के संकल्प करो तब कहेंगे हिम्मतवान आत्मा |

स्लोगन:- निर्माणचित के तख़्त पर बैठ, जिम्मेवारी का ताज धारण करना ही श्रेष्ठता है |